Report
of
Department of Home Science
(2023-24)

Mehr Chand Mahajan DAV College for Women

Sector-36/A, Chandigarh

www.mcmdavcw-chd.edu

0172- 2603355, 0172- 2624921

Talent Hunt Competition 'Dharohar'

22nd August 2023

Department organized a Talent Hunt competition –'Dharohar' to shortlist the students for participation in various competition to be held in P.U. Youth Festival. Reflecting the rich and colorful heritage and culture of Punjab, about 40 students participated and beautiful articles in various categories like Guddian Patole, Ennu making, Chikku, Naala , Paranda , Khiddo, Peerhi, Rangoli, Phulkari, Pakhi, Cross Stitch, Knitting, Crochet and Rassa vatna. Principal Dr. Nisha Bhargava appreciated the work and creativity of the students and awarded them with certificates.

Punjab University Zonal Youth festival

07th October to 10th October 2023

Punjab University Zonal Youth Festival was held from 7th Oct to 10th Oct 2023 where in the students (16) participated in various competitions under Heritage and New Heritage categories. The department bagged total 11 prizes in different categories-

1st Prize in rangoli by Dilpreet Kaur
1st Prize in Naala making by Harshita
1st Prize in Khiddo making by Manshita Gadora
1st Prize in Ennu making by Simranpreet Kaur
1st Prize in Cross Stitch by Ashnoor
2nd Prize in Crochet by Simar
2nd Prize in Bagh Embroidery by Gaganjot Kaur
2nd Prize in Peerhi making by Priyanka
3rd Prize in Guddia Patole by Sukhmandeep Kaur
3rd Prize in Chikku Making by Khushmeet Kaur
3rd Prize in Pranda making by Gaganjot Kaur.

Khadi Bag Making Workshop

20th October, 2023

This activity was meant to reinforce the Skill-oriented initiatives envisioned by the Government of India to empower youth. The NSS units of Mehr Chand Mahajan DAV College for women in collaboration with home science department organized "Khadi bag making" workshop. Resource person, Ms Rati Arora initiated the participants into a very creative and useful skill of making Khadi tote bags. . Students got this wonderful opportunity to reconnect with the rich legacy pioneered by Mahatma Gandhi in colonial times as he emphasized the need for self-reliance as a tool to fight the British Empire. The workshop briefed the participant’s about various measures and initiatives being undertaken by the government to promote local artisans in the Khadi industry.

The workshop was followed by a pledge to promote the use of domestic Indian products. Principal Dr. Nisha Bhargava appreciated this endeavor and motivated the students to follow the footprints of Gandhi Ji.

MEDIA COVERAGE

एमसीएम ने 'खादी बैग निर्माण कला' पर कार्यशाला का आयोजन किया

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, सेक्टर 36-ए, चंडीगढ़ की एनएसएस इकाइयों ने कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के सहयोग से ÷खादी बैग निर्माण कला÷ कार्यशाला का आयोजन किया। खादी हमारे स्वतंत्रता संग्राम का महत्त्वपूर्ण प्रतीक है और कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को खादी के उपयोग के प्रति संवेदनशील बनाना और रचनात्मक तरीके से उनमें भारतीय विरासत के प्रति गौरव की भावना विकसित करना था । इस कार्यशाला में गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, सुश्री रति अरोड़ा प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुईं । कार्यशाला में प्रतिभागियों ने खादी टोट बैग बनाने का कौशल सीखा, जिससे माध्यम से भारत सरकार द्वारा कौशल-उन्मुख पहल को मज़बूती प्रदान करते हुए युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। इसमें 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सरकार की पहल पर कार्यशाला में स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए खादी उद्योग विषय पर एक जानकारीपूर्ण सत्र भी शामिल रहा। इसके बाद स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की शपथ ली गई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने एनएसएस के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि भारत की आत्मनिर्भरता, आर्थिक सशक्तिकरण और एकता का प्रतीक है।

एमसीएम ने 'खादी बैग निर्माण कला' पर कार्यशाला का आयोजन किया

चंडीगढ़, स्टेट समाचार। विज

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, सेक्टर 36-ए, चंडीगढ़ की एनएसएस इकाइयों ने कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के सहयोग से ÷खादी बैग निर्माण कला÷ कार्यशाला का आयोजन किया। खादी हमारे स्वतंत्रता संग्राम का महत्त्वपूर्ण प्रतीक है और कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को खादी के उपयोग के प्रति संवेदनशील बनाना और रचनात्मक तरीके से उनमें भारतीय विरासत के प्रति गौरव की भावना विकसित करना था ।

इस कार्यशाला में गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, सुश्री रति अरोड़ा प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुईं । कार्यशाला में प्रतिभागियों ने खादी टोट बैग बनाने का कौशल सीखा, जिससे माध्यम से भारत सरकार द्वारा कौशल-उन्मुख पहल को मज़बूती प्रदान करते हुए युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। इसमें 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सरकार की पहल पर कार्यशाला में स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए खादी उद्योग विषय पर एक जानकारीपूर्ण सत्र भी शामिल रहा। इसके बाद स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की शपथ ली गई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने एनएसएस के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

एमसीएम कॉलेज में 'खादी बैग निर्माण कला' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेती हुई छात्राएं। (छाया : गुरिन्द्र सिंह)

एमसीएम द्वारा 'खादी बैग निर्माण कला' पर कार्यशाला आयोजित

चंडीगढ़, 27 अक्तूबर (राम सिंह बराड़): मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, सैक्टर 36-ए, चंडीगढ़ की एनएसएस इकाइयों ने कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के सहयोग से 'खादी बैग निर्माण कला' कार्यशाला का आयोजन किया। खादी हमारे स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण प्रतीक है और कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को खादी के उपयोग के प्रति संवेदनशील बनाना और रचनात्मक तरीके से उनमें भारतीय विरासत के प्रति गौरव की भावना विकसित करना था। इस कार्यशाला में गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, रति अरोड़ा प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुईं। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने खादी टोट बैग बनाने का कौशल सीखा, जिससे माध्यम से भारत सरकार द्वारा कौशल-उन्मुख पहल को मजबूती प्रदान करते हुए युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। इसमें 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सरकार की पहल पर कार्यशाला में स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए खादी उद्योग विषय पर एक जानकारीपूर्ण सत्र भी शामिल रहा। इसके बाद स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की शपथ ली गई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने एनएसएस के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

एमसीएम ने 'खादी बैग निर्माण कला' पर कार्यशाला का किया आयोजन

फास्ट मीडिया

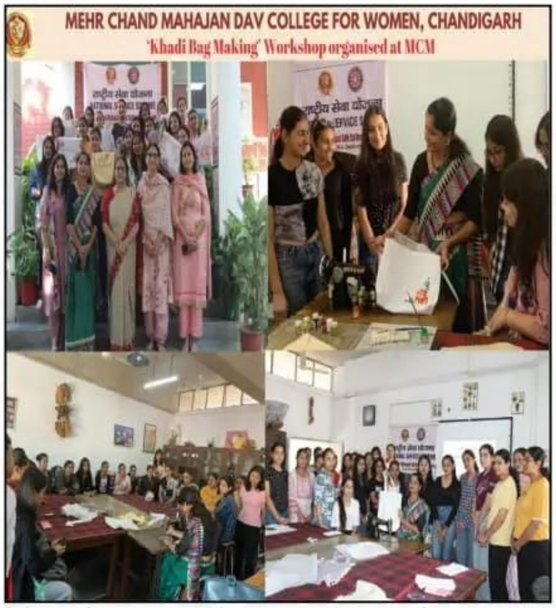

अमूल्या, चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, सेक्टर 36-ए, चंडीगढ़ की एनएसएस इकाइयों ने कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के सहयोग से 'खादी बैग निर्माण कला' कार्यशाला का आयोजन किया। खादी हमारे स्वतंत्रता संग्राम का महत्त्वपूर्ण प्रतीक है और कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को खादी के उपयोग के प्रति संवेदनशील बनाना और रचनात्मक तरीके से उनमें भारतीय विरासत के प्रति गौरव की भावना विकसित करना था। इस कार्यशाला में गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, सुश्री रति अरोड़ा प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल हुईं। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने खादी टोट बैग बनाने का कौशल सीखा, जिससे माध्यम से भारत सरकार द्वारा कौशल-उन्मुख पहल को मजबूती प्रदान करते हुए युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। इसमें 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सरकार की पहल पर कार्यशाला में स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए खादी उद्योग विषय पर एक जानकारीपूर्ण सत्र भी शामिल रहा। इसके बाद स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की शपथ ली गई। कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने एनएसएस के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि भारत की आत्मनिर्भरता, आर्थिक सशक्तिकरण और एकता का प्रतीक है।

Inter Zonal, Punjab University

3 Nov 2023 to 06 Nov, 2023

5 students from the department participated in Inter Zonal Youth Festival held at Ferozepur (Punjab). Nishita, Simranpreet and Harshita participated in Khiddo, Ennu and Naala respectively on 3rd November Simranpreet won **Third Prize there**. Ashnoor participated in Cross Stitch on 5th November and Dilpreet in Rangoli on 6th November.

Diwali Fest – 2023

8th November 2023

A stall showcasing the creativity of students was put by the department during Diwali festival 2023. Various articles prepared by the students including baby frocks, utility and tote bags, decorated bottles heritage items like peerhi, Ennu, Guddiyan patole and Pakhi were displayed The beautiful tie and dye as well as embroidered articles were also exhibited.

Skill based Workshop- कलाUtsav

23rd January – 25th January, 2024

With the aim of inculcating artistry and empowering young girls, Department of Home Science, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Sector 36, Chandigarh organised a 3-day Workshop 'कलाUtsav' in collaboration with Fevicryl (Pidilite Industries) to mark the celebration of National Girl Child Day from 23rd - 25th January ,2024. The workshop was conducted by Ms. Santosh Verma, an artist from Fevicryl. She demonstrated different techniques to make permanent rangoli using easily accessible material. Some waste material like plates, cups and jars were re-designed to creative planters, wall decor items and pen stands. 40 Students participated in the workshop and tried their skills to make colourful articles. Principal Dr Nisha Bhargava appreciated the initiative of the department and encouraged the students by awarding the certificates sponsored by Fevicryl.

MEDIA COVERAGE

एमसीएम में राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में कला उत्सव का आयोजन

चंडीगढ़, स्टेट समाचार। विज

राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में, मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने फेविक्रिल (पिडिलाइट इंडस्ट्रीज) के सहयोग से 3 दिवसीय कार्यशाला %कला उत्सव% का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन फेविक्रिल की कलाकार सुश्री संतोष वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके स्थायी रंगोली बनाने की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया। प्रमुख वक्ता ने प्लांटर्स, दीवार के लिए सजावटी लटकन और पेन स्टैंड बनाने के लिए प्लेट, कप एवं जार जैसी अपशिष्ट सामग्री के पुनर्चक्रण का भी प्रदर्शन किया। कार्यशाला में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने कलात्मक कौशल को निखारा।

प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम आज के समय की माँग हैं, इनके माध्यम से

सीसीटीवी कैमरे में बंद करने का वीडियो दिखाई दे रहा है।

एमसीएम में राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में कला उत्सव का आयोजन

चंडीगढ़/विज : राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में, मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने फेविक्रिल (पिडिलाइट इंडस्ट्रीज) के सहयोग से 3 दिवसीय कार्यशाला कला उत्सव का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन फेविक्रिल की कलाकार सुश्री संतोष वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके स्थायी रंगोली बनाने की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया। कार्यशाला में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने कलात्मक कौशल को निखारा। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि इस तर के कौशल विकास कार्यक्रम आज के समय की माँग हैं, इनके माध्यम विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता को बढ़ाया जाता है ।

MCM celebrates National Girl Child Day with Kala Utsav

BUREAU CHANDIGARH , JAN 31

To mark the celebration of National Girl Child Day, the Department of Home Science at Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, organised a 3-day workshop 'Kala Utsav' in collaboration with Fevicryl (Pidilite Industries). The workshop was conducted by Ms. Santosh Verma, an artist from Fevicryl. She demonstrated different techniques to make permanent rangoli using easily accessible material. The resource person also demonstrated recycling of waste material like plates, cups and jars to create planters, wall decor items and pen stands. 40 students participated in the workshop and honed their artistic skills. Principal Dr Nisha Bhargava appreciated the initiative of the department to undertake skill development initiatives for the benefit of the students. She added that such skill development programmes are the need of the hour as skills are of immense significance for enhancing employability of the students.

एमसीएम में राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में कला उत्सव का आयोजन

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में, मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने फेविक्रिल (पिडिलाइट इंडस्ट्रीज) के सहयोग से 3 दिवसीय कार्यशाला कला उत्सव का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन फेविक्रिल की कलाकार सुश्री संतोष वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करके स्थायी रंगोली बनाने की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया। प्रमुख वक्ता ने प्लांटर्स, दीवार के लिए सजावटी लटकन और पेन स्टैंड बनाने के लिए प्लेट, कप एवं जार जैसी अपशिष्ट सामग्री के पुनर्चक्रण का भी प्रदर्शन किया। कार्यशाला में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने कलात्मक कौशल को निखारा। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियों में कौशल विकास के लिए विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम आज के समय की माँग हैं, इनके माध्यम से विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता को बढ़ाया जाता है।

Panjab University Rose Festival, 2024

9th February to 11th February, 2024

Students from the departments participated in flower arrangement competition held on 9th February and won following prizes-

Khushi – Second Prize in Foliage arrangement

Khushi Gupta – Second in flower arrangement

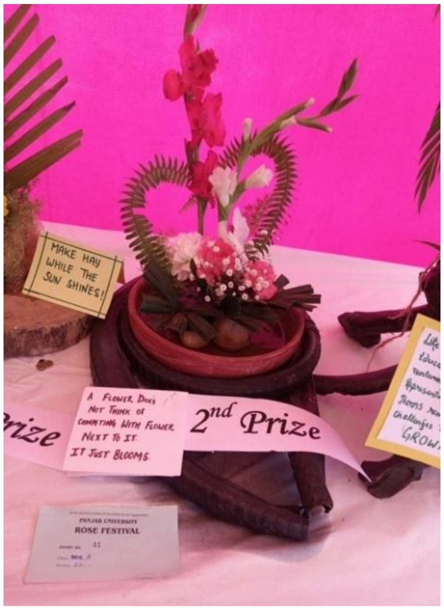

Inter college Flower Competition

28th February, 2024

Students from the departments participated in flower arrangement competition 'Sughandh' organized by department of botany and Add- on- course in floriculture and landscaping, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women on 28th February and won following prizes

Aditi Tandon- First Prize – flower arrangement

Khushi and Khushi Gupta- Second team Prize- flower arrangement

Dilrose Kaur and Shiya Yadav- Third team Prize- flower arrangement

Mehr Chand Mahajan DAV College for Women
Sector 36-A, Chandigarh
Certificate
This is to certify that Aditi Tandon
of Mehr Chand Mahajan DAV College For Women, Sector-36A
participated in सुगंध an Inter College Flower Arrangement Competition organized by the Department of Botany & Add-on Course in Floriculture and Landscaping in collaboration with Jai Madhusudan Jai Shrikrishna Foundation on 28 February 2024 to mark the celebration of National Science Day & was awarded FIRST Prize.
Dr Gunjan Sud
Co-convener & Head, Department of Botany
Dr Nisha Bhargava
Convener & Principal
REALCON™
COMMITMENT - TRUST - CREDIBILITY
From :
Mehr Chand Mahajan D.A.V. College for Women
Sector 36-A, Chandigarh - 160 036 | Phone : 0172-2603355
website : https://mcmdavcwchd.edu.in
e-mail : principal_mcmdavcollege@yahoo.com

Heritage Stall

1st March, 2024

A stall showcasing the heritage art and craft products made by our students was put by the department during Annual alumni meet, 2024 as the theme of the function was ethnic this year. Various articles prepared by the students including portable rangolis, utility and tote bags, heritage items like peerhi, Ennu, Guddiyan patole and Pakhi were displayed.

Skill based Workshop – कारीगरी

15th February, 2023

To mark the celebration of *Bicentennial Birth Anniversary of Swami Dayanand Saraswati Ji* and to spread the awareness about the use of eco-friendly cloth bags instead of single use plastic bags, Department of Home Science, Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh organized- *"कारीगरी"* a skill based workshop on Eco friendly fabric bag making on 15th February, 2024. Clothing and textiles expert, Ms Rati Arora, Assistant Professor from the Department of Home Science was the resource person. She demonstrated the cutting and stitching technique of different styles of cloth bags like sling bags, tote bags, shoulder bags, flap bags etc. Students constructed and decorated different types of bags getting tips and guidance from the resource person. They were also familiarized with computerized fashion maker machines to create beautiful creative patterns on the cloth. At the end of the workshop, all the colorful created bags were displayed and best creations were selected and awarded with prizes by Dr. Nisha Bhargava, Principal of the College. She appreciated the work done by all the participants and the initiative of the department for motivating the students to adopt the habbit of using cloth bags instead of plastic bags.

MEDIA COVERAGE

बैग की विभिन्न शैलियों की कटिंग और सिलाई तकनीक सीखती महिलाएं। अमर उजाला

इको-फ्रेंडली बैग बनाने और प्रयोग करने के बारे में बताया

माई सिटी रिपोर्टर

एमसीएम डीएवी महिला कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

चंडीगढ़। सेक्टर-36 स्थित एमसीएम डीएवी महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग ने पर्यावरण के अनुकूल कपड़े के बैग बनाने पर एक कौशल आधारित कार्यशाला 'कारीगरी' का आयोजन किया। कार्यशाला स्वामी दयानंद सरस्वती की द्विशताब्दी जयंती समारोह के उपलक्ष्य में और एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग के बजाय पर्यावरण-अनुकूल कपड़े से बने बैग के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया था।

गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, वस्त्र एवं टेक्सटाइल्स विशेषज्ञ रति अरोड़ा कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुईं। उन्होंने स्लिंग बैग, टोट बैग, शोल्डर बैग, फ्लैप बैग आदि कपड़े से बने बैग की विभिन्न शैलियों की कटिंग और सिलाई तकनीक का प्रदर्शन किया।

प्रतिभागियों ने प्रमुख वक्ता के सुझाव और मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के बैग बनाए और सजाए। कार्यशाला में शामिल विद्यार्थी कपड़े पर सुंदर रचनात्मक पैटर्न बनाने के लिए कंप्यूटरीकृत फैशन मशीनों से भी परिचित हुए। अंत में प्रतिभागियों की ओर से बनाए गए सभी रचनात्मक और रंगीन बैग प्रदर्शित किए। सर्वश्रेष्ठ बैग बनाने वाले प्रतिभागियों का चयन किया और कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने उन्हें पुरस्कृत किया।

एमसीएम में ईको-फ्रैंडली फैब्रिक बैग बनाने की वर्कशाप में भाग लेती छात्राएं। (छाया: कमलजीत सिंह)

एमसीएम में ईको-फ्रैंडली फैब्रिक बैग बनाने संबंधी कार्यशाला आयोजित

चंडीगढ़, 28 फरवरी (विशेष संवाददाता): मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने पर्यावरण के अनुकूल कपड़े के बैग बनाने पर एक कौशल आधारित कार्यशाला 'कारीगरी' का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन स्वामी दयानंद सरस्वती की द्विशताब्दी जयंती समारोह के उपलक्ष्य में और साथ ही एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग के बजाय पर्यावरण-अनुकूल कपड़े से बने बैग के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया था। गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, वस्त्र एवं टेक्सटाइल्स विशेषज्ञ सुश्री रति अरोड़ा, इस कार्यशाला में बतौर मुख वक्ता शामिल हुईं । उन्होंने स्लिंग बैग, टोट बैग, शोल्डर बैग, फ्लैप बैग आदि कपड़े से बने बैग की विभिन्न शैलियों की कटिंग और सिलाई तकनीक का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने प्रमुख वक्ता के सुझाव और मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के बैग बनाए और सजाए। कार्यशाला में शामिल विद्यार्थी कपड़े पर सुंदर रचनात्मक पैटर्न बनाने के लिए कम्प्यूटरीकृत फैशन मशीनों से भी परिचित थे। कार्यशाला के अंत में, प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए सभी रचनात्मक और रंगीन बैग प्रदर्शित किए गए । सर्वश्रेष्ठ बैग बनाने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया और कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया गया। डॉ. भार्गव ने सभी प्रतिभागियों द्वारा किए गए कार्यों को सराहा और गृह विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्लास्टिक बैग के बजाय कपड़े से बने बैग के उपयोग की स्थायी प्रथा के प्रति प्रेरित करने के लिए इस पहल की सराहना की।

एमसीएम में ईको-फ्रेंडली फैब्रिक बैग बनाने पर कार्यशाला का आयोजन

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने पर्यावरण के अनुकूल कपड़े के बैग बनाने पर एक कौशल आधारित कार्यशाला 'कारीगरी' का आयोजन किया।

कार्यशाला का आयोजन स्वामी दयानंद सरस्वती की द्विशताब्दी जयंती समारोह के उपलक्ष्य में और साथ ही एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग के बजाय पर्यावरण-अनुकूल कपड़े से बने बैग के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया था। गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, वस्त्र एवं टेक्सटाइल्स विशेषज्ञ सुश्री रति अरोड़ा, इस कार्यशाला में बतौर मुख वक्ता शामिल हुईं । उन्होंने स्लिंग बैग, टोट बैग, शोल्डर बैग, फ्लैप बैग आदि कपड़े से बने बैग की विभिन्न शैलियों की कटिंग और सिलाई तकनीक का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने प्रमुख वक्ता के सुझाव और मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के बैग बनाए और सजाए। कार्यशाला में शामिल विद्यार्थी कपड़े पर सुंदर रचनात्मक पैटर्न बनाने के लिए कम्प्यूटरीकृत फैशन मशीनों से भी परिचित थे। कार्यशाला के अंत में, प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए सभी रचनात्मक और रंगीन बैग प्रदर्शित किए गए । सर्वश्रेष्ठ बैग बनाने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया और कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया गया। डॉ. भार्गव ने सभी प्रतिभागियों द्वारा किए गए कार्यों को सराहा और गृह विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्लास्टिक बैग के बजाय कपड़े से बने बैग के उपयोग की स्थायी प्रथा के प्रति प्रेरित करने के लिए इस पहल की सराहना की।

एमसीएम में ईको-फ्रेंडली फैब्रिक बैग बनाने पर कार्यशाला का आयोजन

चण्डीगढ़, (हिमप्रभा ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने पर्यावरण के अनुकूल कपड़े के बैग बनाने पर एक कौशल आधारित कार्यशाला 'कारीगरी' का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन स्वामी दयानंद सरस्वती की द्विशताब्दी जयंती समारोह के उपलक्ष्य में और साथ ही एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग के बजाय पर्यावरण-अनुकूल कपड़े से बने बैग के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया था। गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर, वस्त्र एवं टेक्सटाइल्स विशेषज्ञ सुश्री रति अरोड़ा, इस कार्यशाला में बतौर मुख वक्ता शामिल हुईं । उन्होंने स्लिंग बैग, टोट बैग, शोल्डर बैग, फ्लैप बैग आदि कपड़े से बने बैग की विभिन्न शैलियों की कटिंग और सिलाई तकनीक का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने प्रमुख वक्ता के सुझाव और मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के बैग बनाए और सजाए। कार्यशाला में शामिल विद्यार्थी कपड़े पर सुंदर रचनात्मक पैटर्न बनाने के लिए कम्प्यूटरीकृत फैशन मशीनों से भी परिचित थे। कार्यशाला के अंत में, प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए सभी रचनात्मक और रंगीन बैग प्रदर्शित किए गए । सर्वश्रेष्ठ बैग बनाने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया और कॉलेज प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव द्वारा उन्हें पुरस्कृत किया गया। डॉ. भार्गव ने सभी प्रतिभागियों द्वारा किए गए कार्यों को सराहा और गृह विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्लास्टिक बैग के बजाय कपड़े से बने बैग के उपयोग की स्थायी प्रथा के प्रति प्रेरित करने के लिए इस पहल की सराहना की।

Inter college Flower Competition

6th March, 2024

Students from the departments participated in flower arrangement competition organized by Dev Samaj College for Women, Chandigarh during their annual fest MOSAIC and won following prizes

Khushi and Khushi Gupta- Second team Prize- Flower arrangement

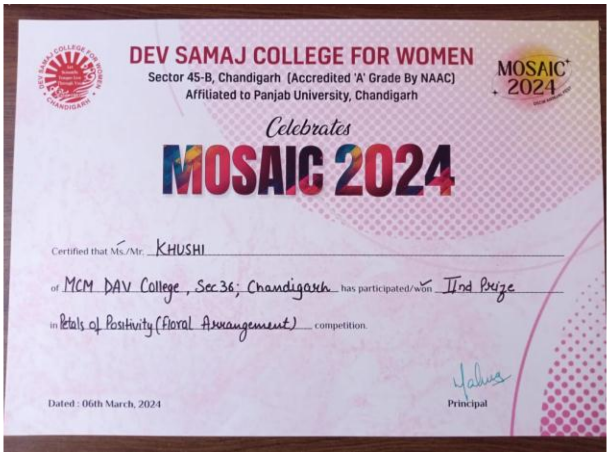

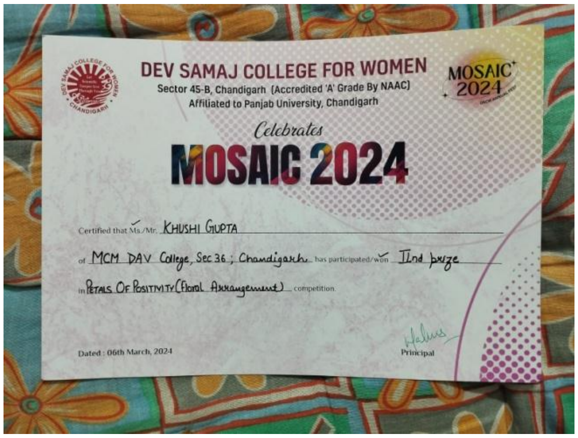

Three Day Workshop **कायाकल्प**

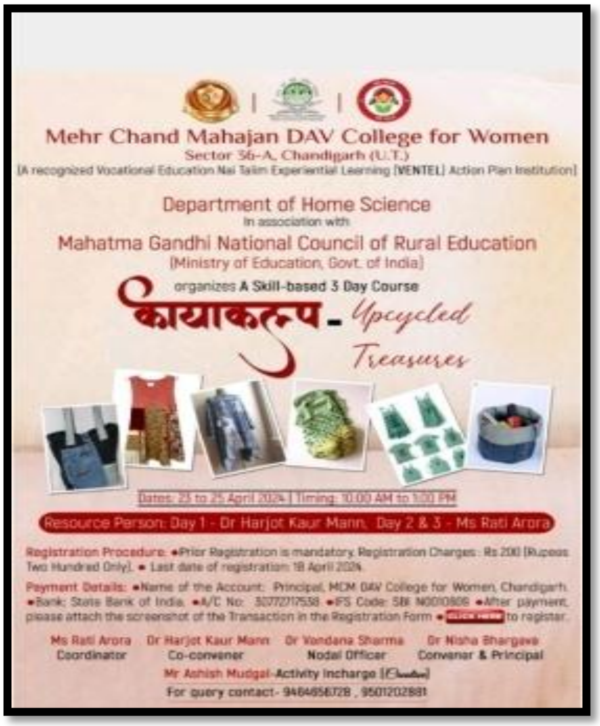

Department of Home Science, Mehr Chand Mahajan DAV College under the aegis of Mahatma Gandhi National Council of Rural Education(MGNCRE) Ministry of Education, Government of India, organized a Skill based Three Day Workshop **कायाकल्प** - Upcycled Treasures from 23rd April to 25th April, 2024.

Dr Harjot Kaur Mann and Dr Rati Arora, Assistant Professors from the department of Home Science were the resource persons. Students were encouraged to repurpose the discarded and unwanted garments and to transform them into unique, artistic and functional items reducing waste and minimizing the environmental impact. Under the guidance of resource persons all the participants upcycled their used garments to various creative items and apparels like saree to to lehnga, jeans to skirts and tote bags, T- shirt to frock and bags, shirt to apron and kurti to table mats etc. Principal Dr Nisha Bhargava appreciated the creativity of all the participants and congratulated the faculty of department for the much-needed initiative.

GPS Map Camera
Chandigarh, चंडीगढ़, India
ARTS & SCIENCE BLOCK, MCM DAV COLLAGE FOR GIRLS, MCM DAV College
Rd, 36A, Sector 36, Chandigarh, चंडीगढ़ 160036, India
Lat 30.734852°
Long 76.757551°
23/04/24 12:22 PM GMT +05:30
Google

Before
After

Before
After

MEDIA COVERAGE

एमसीएम ने 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला 'कायाकल्प' का किया आयोजन

संवाददाता/ चंडीगढ़

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'कायाकल्प- अपसाइकलड ट्रेजर्स' शीर्षक से 3-दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में डॉ. हरजोत कौर मान और डॉ. रति अरोड़ा बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। प्रतिभागियों को बेकार और अवांछित कपड़ों को पुनः इस्तेमाल करके अद्वितीय, कलात्मक वस्तुओं में बदलने की कला सिखाई गई, जिससे उन्हें बेकार अवांछनीय कपड़ों को कम करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की तकनीकें सिखाई गईं। संसाधन व्यक्तियों के मार्गदर्शन में, प्रतिभागियों ने बेकार कपड़ों को अप-साइकिल करके विभिन्न रचनात्मक वस्तुएँ और परिधान बनाए, जिनमें साड़ी से लहंगा, जींस से स्कर्ट, टोट बैग, टी-शर्ट से फ्रॉक और बैग, शर्ट से एप्रन और कुर्ती से टेबल मैट आदि शामिल हैं। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना की और विद्यार्थियों में पर्यावरण चेतना पैदा करने के उद्देश्य से इस अत्यंत प्रासंगिक पहल के लिए विभाग की सराहना की।

पाठकों को इस प्रक
संबंध में पैसे भेजने,
दावे पर अमल कर
उचित परामर्श लेने
विज्ञापनदाताओं के उत्पादों और से
फास्ट मीडिया के प्रिंटर, प्रका
-अगर विज्ञापनदाता ऐसे दावों का सम्मान
समूह को किसी भी परिणाम के लिए

एमसीएम ने 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला 'कायाकल्प' का आयोजन किया

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'कायाकल्प- अपसाइकलड ट्रेजर्स' शीर्षक से 3-दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में डॉ. हरजोत कौर मान और डॉ. रति अरोड़ा बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए । प्रतिभागियों को बेकार और अवांछित कपड़ों को पुन: इस्तेमाल करके अद्वितीय, कलात्मक वस्तुओं में बदलने की कला सिखाई गई, जिससे उन्हें बेकार अवांछनीय कपड़ों को कम करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की तकनीकें सिखाई गईं। संसाधन व्यक्तियों के मार्गदर्शन में, प्रतिभागियों ने बेकार कपड़ों को अप-साइकिल करके विभिन्न रचनात्मक वस्तुएँ और परिधान बनाए, जिनमें साड़ी से लहंगा, जींस से स्कर्ट, टोट बैग, टी-शर्ट से फ्रॉक और बैग, शर्ट से एप्रन और कुर्ती से टेबल मैट आदि शामिल हैं। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना की और विद्यार्थियों में पर्यावरण चेतना पैदा करने के उद्देश्य से इस अत्यंत प्रासंगिक पहल के लिए विभाग की सराहना की।

एमसीएम ने 3 दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला 'कायाकल्प' का आयोजन किया

चंडीगढ़, स्टेट समाचार। विज

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ के गृह विज्ञान विभाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'कायाकल्प- अपसाइकलड ट्रेजर्स' शीर्षक से 3-दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में डॉ. हरजोत कौर मान और डॉ. रति अरोड़ा बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। प्रतिभागियों को बेकार और अवांछित कपड़ों को पुनः इस्तेमाल करके अद्वितीय, कलात्मक वस्तुओं में बदलने की कला सिखाई गई, जिससे उन्हें बेकार अवांछनीय कपड़ों को कम करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की तकनीकें सिखाई गईं। संसाधन व्यक्तियों के मार्गदर्शन में, प्रतिभागियों ने बेकार कपड़ों को अप-साइकिल करके विभिन्न रचनात्मक वस्तुएँ और परिधान बनाए, जिनमें साड़ी से लहंगा, जींस से स्कर्ट, टोट बैग, टी-शर्ट से फ्रॉक और बैग, शर्ट से एप्रन और कुर्ती से टेबल मैट आदि शामिल हैं।

प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना की और विद्यार्थियों में पर्यावरण चेतना पैदा करने के उद्देश्य से इस अत्यंत प्रासंगिक पहल के लिए विभाग की सराहना की।

CHANDIGARH, 14.05.24-The Department of Home Science at Mehr Chand Mahajan DAV College for Women, Chandigarh, under the aegis of Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Ministry of Education, Government of India, organised a 3-day skill development workshop titled 'Kayakalp- Upcycled Treasures'.

Dr. Harjot Kaur Mann and Dr. Rati Arora were the resource persons for the workshop. The participants were taught the art of repurposing discarded and unwanted garments, and transforming them into unique, artistic and functional items, thereby equipping them with techniques of reducing waste and minimising the environmental impact. Under the guidance of resource persons, the participants up-cycled their used garments to create various creative items and apparels like saree to lehenga, jeans to skirts and tote bags, T-shirt to frock and bags, shirt to apron and kurti to table mats, etc.

Principal Dr. Nisha Bhargava expressed appreciation for the creativity of the participants and lauded the resource persons for this highly relevant initiative that aimed to inculcate environmental consciousness among the students.